

पर्यावरण संरक्षण हेतु बायोडायवर्सिटी क्रेडिट

प्रलिस के लिये:

बायोडायवर्सिटी क्रेडिट, विश्व आर्थिक मंच, 'बायोडायवर्सिटी क्रेडिट' पहल, कार्बन क्रेडिट, कूनमगि-मॉन्टरयिल ग्लोबल बायोडायवर्सिटी फ्रेमवर्क (KMGBF) 2022, गरीन बॉण्ड, बायोडायवर्सिटी क्रेडिट एलायंस, जैविक विविधता पर अभिसमय, UNDP, UNEP, सतत विकास के लिये विश्व व्यापार परिषद, चक्रीय अर्थव्यवस्था ।

मेन्स के लिये:

पर्यावरण संरक्षण में बायोडायवर्सिटी क्रेडिट की भूमिका, संबंधित चुनौतियाँ और आगे की राह ।

[स्रोत: डाउन टू अर्थ](#)

चर्चा में क्यों?

हाल ही में, जर्नल [प्रोसीडिंग्स ऑफ द रॉयल सोसाइटी](#) में प्रकाशित एक नए अध्ययन ने [बायोडायवर्सिटी क्रेडिट](#) बाज़ार की प्रभावशीलता पर संदेह जताया है, जसि जैवविविधता संरक्षण के लिये एक संभावित गेम-चेंजर के रूप में बताया जा रहा है ।

- अध्ययन में बाज़ार की महत्त्वपूर्ण अनिश्चितताओं पर भी जोर दिया गया है साथ ही यह प्रश्न उठाया गया है कि क्या इस रणनीतिके लाभ, जसिका उद्देश्य जैव विविधता की हानि का प्रतिकार करना है, वास्तव में संभावित नुकसान से अधिक हैं ।

बायोडायवर्सिटी क्रेडिट क्या हैं?

- परिचय:** बायोडायवर्सिटी क्रेडिट एक सत्यापन योग्य, मात्रात्मक और विपणन योग्य वित्तीय साधन है जो एक निश्चित अवधि में भूमि या महासागर आधारित जैवविविधता इकाइयों के निर्माण और बिक्री के माध्यम से सकारात्मक प्रकृति और जैवविविधता परियोजनाओं (जैसे प्रजातियाँ, पारिस्थितिकी तंत्र और प्राकृतिक आवास) को पुनर्कृत करता है ।
 - 'बायोडायवर्सिटी क्रेडिट' पहल की शुरुआत [विश्व आर्थिक मंच \(WEF\)](#) द्वारा पर्यावरण के लिये मात्रात्मक लाभ हेतु नए वित्तपोषण उपलब्ध कराने के लिये गई थी ।
- क्रियाविधि:** बायोडायवर्सिटी क्रेडिट [कार्बन क्रेडिट](#) के समान कार्य करते हैं ।
 - जब कोई कंपनी या सरकार जैवविविधता को हानि पहुँचाती है, तो वे अन्यत्र संरक्षण परियोजनाओं के लिये भुगतान करके क्षतिपूर्ति कर सकते हैं ।
 - वर्चिार यह है कि संरक्षण के लिये नजि वित्तपोषण को आकर्षित करते हुए [प्रतिपूर्क कार्यों](#) के माध्यम से जैवविविधता को होने वाली [समग्र क्षति](#) को संतुलित किया जाए ।
- भविष्य की संभावना:** WEF का अनुमान है कि बायोडायवर्सिटी क्रेडिट बाज़ार का मूल्य 8 बिलियन अमेरिकी डॉलर है, जो वर्ष 2030 तक 2 बिलियन अमेरिकी डॉलर और वर्ष 2050 तक 69 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँचने का अनुमान है ।
 - [कूनमगि-मॉन्टरयिल ग्लोबल बायोडायवर्सिटी फ्रेमवर्क 2022](#) में वर्ष 2030 तक प्रतिवर्ष 200 बिलियन अमेरिकी डॉलर जुटाने के लिये पारिस्थितिकी तंत्र सेवा भुगतान, [गरीन बॉण्ड](#) और [बायोडायवर्सिटी क्रेडिट](#) जैसे वित्तपोषण तंत्रों का आह्वान किया गया है । इसके अनुरूप, [बायोडायवर्सिटी क्रेडिट अलायंस \(BCA\)](#) का शुभारंभ किया गया ।



बायोडायवर्सिटी क्रेडिट अलायंस (BCA)

- **परिचय:** BCA एक **स्वैच्छक** अंतरराष्ट्रीय गठबंधन है जो **कुनमिगि -मॉन्ट्रियल ग्लोबल बायोडायवर्सिटी फ्रेमवर्क** के कार्यान्वयन में सहायता के लिये **विविध हतिधारकों** को एक साथ लाता है।
 - यह लक्ष्य 19(c) और (d) पर ध्यान केंद्रित करता है, जो "नजी क्षेत्र को जैवविविधता में निवेश करने के लिये प्रोत्साहित करता है", अन्य बातों के अलावा "सामाजिक सुरक्षा उपायों के साथ बायोडायवर्सिटी क्रेडिट" का उपयोग करता है।
- **पृष्ठभूमि:** BCA को दिसंबर 2022 में **मॉन्ट्रियल, कनाडा** में **जैवविविधता पर कन्वेंशन (CBD COP 15)** की 15 वीं बैठक के दौरान लॉन्च किया गया था।
 - BCA सचिवालय को **UNDP, UNEP**-वर्तित पहल (UNEP FI) और **स्वीडिश अंतरराष्ट्रीय विकास सहयोग एजेंसी (SIDA)** द्वारा सहायता प्रदान की जाती है।
- **उद्देश्य:** BCA **उच्च स्तरीय, विज्ञान आधारित सिद्धांतों** की रूपरेखा का निर्माण करके एक **वैश्वसनीय और मापनीय बायोडायवर्सिटी क्रेडिट बाजार** के निर्माण के लिये मार्गदर्शन प्रदान करता है।
- **प्रमुख हतिधारक:** इसमें **स्वदेशी लोगों, स्थानीय समुदायों और नजी क्षेत्र** के प्रतिनिधि शामिल हैं, तथा **सतत विकास के लिये विश्व व्यापार परिषद (WBCSD)** प्रमुख भागीदार है।

जैवविविधता संरक्षण से संबंधित पहल क्या हैं?

- **भारत:**
 - **भारत व्यापार एवं जैवविविधता पहल (IBBI)**

- आरद्रभूमि (संरक्षण एवं प्रबंधन) नयिम 2010
- जलीय पारस्थितिकी तंत्र के संरक्षण के लिये राष्ट्रीय योजना
- वनयजीव अपराध नयितरण बयूरो
- जैवविधिता अधिनयिम, 2002

■ वैश्वकि:

- नागोया प्रोटोकॉल
- वनयजीवों एवं वनस्पतयिों की लुप्तप्राय प्रजातयिों के अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन (CITES)
- वरल्ड वाइड फंड फॉर नेचर

बायोडायवर्सिटी क्रेडिट बाज़ार से संबंधति चतिाएँ क्या हैं?

- दोषपूर्ण अवधारणा: जब कोई कंपनी या सरकार जैवविधिता को नुकसान पहुँचाती है, तो वे अनयत्तर संरक्षण भुगतान के माध्यम से नुकसान की भरपाई कर सकते हैं, लेकिन इसकी आलोचना इस आधार पर की जाती है कि इससे नुकसान को रोकने एवं मूल कारणों का समाधान करने के बजाय उसे अनयत्तर स्थानांतरति कर दिया जाता है।
- वसिथापन और भूमि अधगिरहण: धनी नगिम एवं राष्ट्र ग्लोबल साउथ के गरीब देशों से क्रेडिट खरीद सकते हैं, जिसके परिणामस्वरूप भूमि अधगिरहण के साथ स्थानीय समुदायों के वसिथापन की संभावना बढ़ जाती है।
 - वसिथापन एवं भूमि तथा संसाधनों तक पहुँच सीमति होने से महिलाएँ एवं हाशिये के समूह असमान रूप से प्रभावति होते हैं।
- सटीक मापन का अभाव: कार्बन क्रेडिट के वपिरीत (जो एक टन CO₂ या CO₂ समतुल्य के रूप में मानकीकृत होते हैं) बायोडायवर्सिटी क्रेडिट को हेक्टेयर में मापा जाता है जिससे वभिन्न पारस्थितिकी तंत्रों, महाद्वीपों और बायोम में जैवविधिता को समान करना जटलि हो जाता है।
 - इसके अतरिकित वनों की कटाई जैसी नकारात्मक गतिविधियिों जब अन्य क्षेत्रों में स्थानांतरति हो जाती है तब वहाँ उत्सर्जन होता है जैसे कि किसानों द्वारा बायोडायवर्सिटी क्रेडिट अपनाने के बाद नई भूमि को कृषि हेतु परिवर्तति करना।
- प्रणालीगत परिवर्तनों में वलिंब: बायोडायवर्सिटी क्रेडिट से एक अस्थायी समाधान मलि सकता है, जिससे जैवविधिता हानि से नपिटने के लिये आवश्यक प्रणालीगत परिवर्तनों में वलिंब हो सकता है।
 - बायोडायवर्सिटी क्रेडिट (जो अकसर अल्प अवधि के लिये जारी कये जाते हैं) दीर्घकालिक प्रभावों का आकलन करना कठनि बना देते हैं, क्योंकि तिली जैसे समूहों के सटीक मूल्यांकन हेतु दीर्घकालिक डेटा की आवश्यकता होती है।

आगे की राह

- मूल कारण को हल करना: सरवप्रथम जैवविधिता की हानि को रोकने की दशिा में प्रयास (जैसे वनों की कटाई, अधारणीय कृषि या जीवाश्म ईंधन से होने वाले उत्सर्जन को सीमति करना) कये जाने चाहये।
- संदर्भ-वशिषिट मेट्रकिस: केवल भूमि क्षेत्र से परे प्रजातयिों की अंतःकरया, पारस्थितिकी तंत्र स्वास्थ्य एवं सांस्कृतिक महत्व को ध्यान में रखते हुए संदर्भ-वशिषिट मेट्रकिस वकिसति करना चाहये।
- समग्र दृषटकिण की ओर बदलाव: जैवविधिता वनिाश को बढ़ावा देने वाले उद्योगों (जैसे, कृषि, वानकिी एवं खनन) को बदलने के साथ चकरीय अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ावा देने एवं जैवविधिता संरक्षण को प्राथमकिता देने के लिये सभी क्षेत्रों में नीतगित रूपरेखाओं को संरेखति करने पर बल देना चाहये।
- नगिरानी और रपिर्टगि: नागरकि समाज एवं स्थानीय समुदायों को परयोजनाओं की जाँच करने, नगिमों को जवाबदेह बनाने तथा यह सुनिश्चित करने के लिये सशक्त बनाया जाना चाहये कि बायोडायवर्सिटी क्रेडिट से वास्तवकि संरक्षण परिणाम प्रापत हों।
- गैर-बाज़ार आधारति दृषटकिण: बायोडायवर्सिटी क्रेडिट जैसे बाज़ार आधारति समाधानों से प्रत्यक्ष, प्रकृत आधारति समाधानों की ओर बदलाव की आवश्यकता है, जिससे संरक्षति क्षेत्रों के वसितार, पारस्थितिकी तंत्र को बहाल करने एवं समुदाय आधारति संरक्षण का समर्थन करने पर ध्यान केंद्रति कये जाने के साथ प्रकृति के आंतरकि मूल्य को महत्व मलिता हो।

दृषट मुखय परीक्षा प्रश्न:

प्रश्न: जैवविधिता में गरिवट के कारणों को दूर करने में बायोडायवर्सिटी क्रेडिट की प्रभावशीलता का समालोचनात्मक वशि्लेषण कीजये।

UPSC सवलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (PYQs)

????????????

प्रश्न. भारतीय कृषि पारस्थितियिों के संदर्भ में, “संरक्षण कृषि” की संकल्पना का महत्त्व बढ़ जाता है। नमिनलखिति में से कौन-कौन से संरक्षण कृषि के अंतरगत आते हैं? (2018)

1. एकधान्य कृषि पद्धतयिों का परहार
2. न्यूनतम जोत को अपनाना

3. बागानी फसलों की खेती का परहार
4. मृदा धरातल को ढकने के लिये फसल अवशेष का उपयोग
5. स्थानिक एवं कालिक फसल अनुक्रमण/फसल आवर्तनों को अपनाना

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

- (a) 1, 3 और 4
- (b) 2, 3, 4 और 5
- (c) 2, 4 और 5
- (d) 1, 2, 3 और 5

उत्तर: (c)

??????

Q. भारत में जैवविविधता किस प्रकार अलग-अलग पाई जाती है? वनस्पतजित और प्राणजित के संरक्षण में जैवविविधता अधिनियम, 2002 किस प्रकार सहायक है? (2018)

Q. भूमि और जल संसाधन का प्रभावी प्रबंधन मानव वपित्तियों को कम कर देगा। स्पष्ट कीजिये। (2016)

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/biodiversity-credits-for-environment-conservation>

